फिर ऐसे विवाह के लिए सामाजिक वातावरण भी सुलभ-संभव नहीं। ऐसी स्थिति में मात्र एक उपाय ही इस सर्वभक्षी दहेज की कुप्रथा के विरुद्ध कारगर हो सकता है, और वह है युवकों का विद्रोह। युवक-युवतियाँ दोनों ऐसे परिवारों में विवाह करने से स्पष्ट और आंतरिक दृढ़ता से इंकार कर दें, जहाँ किसी भी रूप में दहेज दिया-लिया जाता हो। युवतियों से भी बढ़कर देश के जागरूक नवयुवकों पर अधिक दायित्व जाता है। जिस दिन युवक अपने माता-पिता से स्पष्ट कह देंगे कि वह दहेज लेकर कतई विवाह नहीं करेंगे, उसी दिन से समस्त दहेजलोभियों की अक्ल ठिकाने लग जाएगी और फिर इस कुप्रथा का अंत हो जाएगा।

1. **उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है?**
2. **अनेक उपाय किए जाने पर भी दहेज की कुप्रथा क्यों फल-फूल रही है?**
3. **अत्यंत कठोर कानून भी दहेज प्रथा को समाप्त करने की गारंटी नहीं होता है?**
4. **दहेज के सर्वभक्षी हो जाने का क्या कारण है?**
5. **दहेज प्रथा के अंत का सर्वप्रभावी उपाय क्या है?**

उत्तर–1. दहेजप्रथा–एक अभिशाप

2. समाज में प्रेम विवाह कम होते हैं
3. लोगों का दृष्टिकोण नहीं बदल रहा है।
4. लोभी मानसिकता
5. युवाओं द्वारा दहेज के खिलाफ विद्रोह करना

22. "सच्चा उत्साह वही होता है जो मनुष्य को कार्य करने के लिए प्रेरणा देता है। मनुष्य किसी भी कारणवश जब सी के कष्ट को दूर करने का संकल्प करता है, तब जिस सुख को वह अनुभव करता है, वह सुख विशेष रूप से प्रेरणा वाला होता है। जिस भी कार्य को करने के लिए मनुष्य में कष्ट, दुःख या हानि को सहन करने की ताकत आती है, सबसे उत्पन्न आनंद ही उत्साह कहलाता है। उदाहरण के लिए दान देनेवाला व्यक्ति निश्चय ही अपने भीतर एक प साहस रखता है और वह है धन-त्याग का साहस। यही त्याग यदि मनुष्य प्रसन्नता के साथ करता है तो उसे उत्साह या गया दान कहा जाएगा। उत्साह आनंद और साहस का मिला-जुला रूप है। उत्साह में किसी-न-किसी वस्तु पर अवश्य केंद्रित होता है। वह चाहे कर्म पर, चाहे कर्म के फल पर और चाहे व्यक्ति या वस्तु पर हो। इन्हीं के आधार र्म करने में आनन्द मिलता है। कर्म-भावना से उत्पन्न आनंद का अनुभव केवल सच्चे वीर ही कर सकते हैं क्योंकि साहस की अधिकता होती है। सामान्य व्यक्ति कार्य पूरा हो जाने पर जिस आनंद का अनुभव करता है, सच्चा वीर ारंभ होने पर ही उसका अनुभव कर लेता है। आलस्य उत्साह का सबसे बड़ा शत्रु है। जो व्यक्ति आलस्य से भरा समें काम करने के प्रति उत्साह कभी उत्पन्न नहीं हो सकता। उत्साही व्यक्ति असफल होने पर भी कार्य करता । उत्साही व्यक्ति सदा दृढ़निश्चयी होता है।"

1. **उत्साह का प्रमुख क्या लक्षण है?**
2. **सच्चे वीर कौन होते हैं?**
3. **उत्साह के मार्ग में सबसे बड़ी रुकावट क्या होती है?**
4. **'सच्चा उत्साह वही होता है जो मनुष्य को कार्य करने के लिए प्रेरणा देता है'–रेखांकित उपवाक्य का प्रकार बताएँ?**
5. **'केंद्रित' और 'अधिकता' में क्रमशः किस प्रकार के प्रत्यय हैं?**

–1. आनंद और जोश

2. जो कर्म-भाव से उत्साह दिखाते हैं